बाबा मुक्तानन्द की सिखावनी

२

जिसने सत्संग-पीयूष पिया हो, जिसे सत्संग से परम स्नेह हो और जिसने सत्संग द्वारा कैवल्यपद, परमपद के साम्राज्य को पा लिया हो, परमात्मा उसके साथ एक हो जाता है।

~ बाबा मुक्तानन्द

स्वामी मुक्तानन्द, गुरुतत्त्व-सार [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, १९९९] पृ. ८७

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।